कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित
कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर
(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध
स्थापना वर्ष:1963
E-mail:kri.extension@gmail.com, Website:http.www.kgri.org, Ph. Fx-0731-2874065
// शैक्षणिक सत्रः 2025–26 //

कक्षा : एम. ए.
Class - M. A.
विषय – समाजशास्त्र
Subject – Sociology
सेमेस्टर – द्वितीय
Sem. – IInd

1. **पाठ्यक्रम का कोड – CC-21**
   Course Code - CC-21
2. **पाठ्यक्रम का शीर्षक – मध्यप्रदेश का समाजशास्त्र .**
   Course Title - Foundations of Social Research Methdology
3. **पाठ्यक्रम का प्रकार – कौर कोर्स**
   CourseType – Core Course
4. **पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियां :– CLO -**
   1. मध्यप्रदेश की सामाजिक और सांस्कृतिक संरचना को समझना।
   2. राज्य में जाति, जनजातियों और समुदायों की विविधता का विश्लेषण करना।
   3. गरीबी, पलायन और शिक्षा जैसे प्रमुख सामाजिक, आर्थिक मुद्दों का मूल्यांकन करना।
   4. आदिवासी समूहों के जीवन, चुनोतियों ओर विकास का अध्ययन करना।
   5. सरकारी नीतियों और कलयाणकारी योजनाओं के प्रभाव का आकलन करना।
5. **केडिट मान – सैद्धांतिक – 04 Credit value - 04**
6. **कुल अंक – 40+60=100 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 40**
   Total Marks – 40+60=100 Minum Passing Marks - 40
7. **व्याख्यान की कुल अवधि– 75 घंटे .**

इकाई	विषय
इकाई–1	**मध्यप्रदेश और भारतीय ज्ञान परंपरा –** 1. मध्यप्रदेश की प्राचीन शिक्षक व्यवस्था सांदीपनी आश्रम के संदर्भ में। 2. मध्यप्रदेश की संगीत शिक्षण व्यवस्था ग्वालियर घराने के संदर्भ में, मेहर घराने के संबंध में। 3. मध्यप्रदेश की वसुधैव कुटुम्बकं की अवधारणा 4. रामायण कालीन सामाजिक समरसता – श्रीराम का चित्रकूट प्रवास **गतिविधि– अपने–अपने नगर की प्राचीन शिक्षकण संस्था का अध्ययन कर प्रतिवेदन तेयार करना। अपने शहर के शास्त्रीय संगीत के कलाकारों की बायोग्राफी बनाना।**
	Madhya Pradesh & Indian Knowledge system – 1. Madhya Pradesh Anchents Education system in reference to Sandipani Asharam. 2. Music Education system Of MP referenced 3. Concepts of Vasudev Kutumbakam of Madhya Pradesh 4. Ramayan periods social harmony – Chitrakut pravas of Shri Ram. **Activity** – Prepare a report after studying the ancient educational institutins of your city. Prepare a biolography of classical music artists of your city.

Contd-----2

इकाई–2	मध्यप्रदेश और समाजशास्त्र – 1. मध्यप्रदेश में समाजशास्त्र की उत्पत्ति और विकास 2. मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक, धार्मिक, भाषाई, क्षेत्रीय विविधता 3. मध्यप्रदेश का जनजातीय समाज 4. मध्यप्रदेश के विविध शोध संस्थान– सामाजिक विज्ञान शोध केंद्र, उज्जैन, दीनदयायल शोध संस्थान, चित्रकूट **गतिविधि– मध्यप्रदेश के समाजशास्त्र के विकास हेतु अपने अपने शहर में समाजशास्त्र विषय का प्रारीा कब हुआ और अब तक के समाजशास्त्र के शिक्षकों की सूची बनाना।**
	Madhya Pradesh Sociology – 1. Origin and Development of Sociology in Madhya Pradesh 2. Cultural, Religions, Linguistic, Regional Diversity of Madhya Pradesh. 3. Tribal Society of MP. 4. Different research Institution of MP – Samajik Shodh Institution, Ujjain & Deen Dayal Shodh Sansthan, Chitrakoot. **Activity** – SFor the development of sociology in Madhya Pradesh, Prepare a list of when the subject of sociology was started in your respective city and the list of sociaology teachers till date.
इकाई–3	मध्यप्रदेश मे **समाजशास्त्र – क्षेत्रीय विभाजन –** 1. समाजशास्त्र – मालवा अंचल 2. समाजशास्त्र – चंबल अंचल 3. समाजशास्त्र – विंध्य अंचल 4. समाजशास्त्र – बुंदेलखण्ड अंचल 5. समाजशास्त्र – निमाड अंचल मध्यप्रदेश के इन अंचलों की जनांकिकी, खान–पान, रहन–सहन, बोली, भाषा, नृत्य, कुटीर उद्योग पर्व आदि। **गतिविधि– अपने क्षेत्र की परंपरा, रहन–सहन, मेला, पर्व और लघु चित्र का प्रदर्शन करना।**
	Sociology in Madhya Pradesh – Regional distribution - 1. Sociology – Malwa region 2. Sociology – Chambal region 3. Sociology – Vindhya region 4. Sociology – Bundelkhand region 5. Sociology – Nimar region **Activity** – These region of MP – Demography, Food Habit, Lifestyle, Language, Dance, Small Scale, Industries, Festival
इकाई–4	मध्यप्रदेश में समाजशास्त्र – 1. मध्यप्रदेश का ग्रामीण समाज 2. मध्यप्रदेश का जनजातीय समाज 3. मध्यप्रदेश का नगरीय समाज 4. मध्यप्रदेश के विविध सामाजिक मुद्दे **गतिविधि– प्रदेश की जनजाति पर मोनोग्रा बनाना।**
	Sociology of Madhya Pradesh – 1. Rural Society of M.P. 2. Tribal Society of M.P. 3. Urban Society of M.P. 4. Different Social issues of M.P. **Activity** – Get monographs prepared on the tribes of the state.

Contd-----3

इकाई–5	मध्यप्रदेश के प्रमुख समाजशास्त्रीयों का परिचय – 1. डॉ.भीमराव अम्बेडकर 2. डॉ.श्यामाचरण दुबे 3. डॉ.लीला दुबे 4. डॉ.आई.एस. चौहान 5. डॉ. एन.केक. गौरहा गतिविधि– **प्रदेश केक समाजशास्त्रियों पर संगोष्ठी करना।**
	Introductin of Main Socioligist of M.P. – 1. Dr. B.R. Ambekhar 2. Dr. S.C. Dubey 3. Dr. Leeta Dubey 4. Dr. I.S. Chohan 5. Dr. N.K. Horaha 6. Dr. A.D. Patil **Activity –** Organise a seminar on sociologists of the state.
	संदर्भ ग्रंथ – 1. भारतीय समाज और संस्कृति, ध्रुव कुमार दीक्षित, विनायक पब्लिशर, आगरा 2. समाजशास्त्र, सी.एन. शंकर, एस.चंद एण्ड संस, दिल्ली 3. भारतीय समाजशास्त्र, योगेंदे सिंग, रावत पब्लिकेशन, जयपुर https://nios.ac.in/online-course-material/sr-secondary-courses/ Sociology-(331).nsps 5. IGNOU & Other centrally/state operated Universities/MOOC platforms such as "SWAYAM" n India nad abroad.

कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित
कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर
(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध
स्थापना वर्ष:1963
E-mail:kri.extension@gmail.com, Website:http.www.kgri.org, Ph. Fx-0731-2874065
// शैक्षणिक सत्र: 2025–26 //

कक्षा : एम. ए.
Class - M. A.
विषय – समाजशास्त्र
Subject – Sociology
सेमेस्टर – द्वितीय
Sem. – IInd

1. **पाठ्यक्रम का कोड – CC-22**
   Course Code - CC-22
2. **पाठ्यक्रम का शीर्षक – जनजातीय समाजशास्त्र**
   Course Title - Tribal Sociology
3. **पाठ्यक्रम का प्रकार – कौर कोर्स**
   CourseType – Core Course
4. **पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियां :– CLO -**
   1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम जनजाति एवं अनुसूचित जनजातियों की अवधारणा एवं उनकी जनांकिकी का ज्ञान विद्यार्थियों को प्रदान करेगा।
   2. भारतीय जनजातियों की सामाजिक सांस्कृतिक विशिष्टता, उनकी अर्थव्यवस्था एवं राजनीतिक संगठन को विद्यार्थी समझ सकेंगे।
   3. जनजातियों की समस्याएं, कार, संवैधानिक प्रावधान एवं कलयाण कार्यक्रम विद्यार्थियों के अंदर सह–अस्तित्व की भावना का विकास कर उनकी सोच को तार्किक बनाएंगे।
   4. प्रस्तुत पाठ्यक्रम विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं एवं साक्षात्कार मं सफल होने में विद्यार्थियों की सहातया करेगा।
   5. प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन विद्यार्थियों को शासकीय, अशासकीय एवं स्वैच्छिक संगठनों आदि मं रोजगार प्राप्त करने का प्रचुर अवसर उपलब्ध कराएगा।
5. **केडिट मान – सैद्धांतिक – 04 Credit value - 04**
6. **कुल अंक – 40+60=100 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 40**
   Total Marks – 40+60=100 Minum Passing Marks - 40
7. **व्याख्यान की कुल अवधि– 75 घंटे .**

इकाई	विषय
इकाई–1	**1. जनजातीयों का परिचयात्मक विविरण –** 1.1 जनजाति एवं अनूसूचित जनजाति का अर्थ, परिभाषा एवं विशेषताएं 1.2 जनजातीय जनांकिकी एवं वर्गीकरण – भौगोलिक – भाषायी – आर्थिक – प्रजातीय **गतिविधि– जनजाति समाज पर** समूह चर्चा और ग्रंथालय अध्ययन।
	1. Introductory Descriptive of Tribes - 1.1 Meaning, definition and characteristics of Tribes and Scheduled Tribes 1.2 Classification and types of tribal communities – - Geographical - Linguistic - Economic - Recial **Activity** – Group discussion and librry study on tribal society.

Contd-----2

इकाई–2	1. जनजातिय समाज : सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिदृश्य – 1.1 जनजातीय परिवार 1.2 जनजातीय विवाह 1.3 जनजातीय नातेदारी व्यवस्था **गतिविधि– अपने क्षेत्र की जनजाति का सर्वेक्षण करना।**
	1. Tribal Society – Socio-Cultural Perspective – 1.1 Tribal Family 1.2 Tribal Marriage 1.3 Tribal Kinship System **Activity** – Survey the tribes in your area.
इकाई–3	1. जनजातीय आर्थिक एवं राजनीतिक संगठन – 1.1 जनजातीय आजीविका के पारंपरिक स्त्रोत – शिकार एवं खाद्य संग्रहण – पशुपालन – कृषि – वनोपज एवं हाट बाजार 1.2 जनजातीय अर्थव्यवस्था में परिवर्तन एवं उत्तरदायी कारक 1.3 परंपरागत राजनीतिक संगठन एवं वर्तमान जनजातीय राजनीतिक संगठन **गतिविधि– हाट बाजार पर एक शौध पत्र बनाये।**
	1. Tribal Economic and political Qrganisatin – 1.1 Traditional sources of tribal economy – Hunting and food gathering Agriculture Forests Nomadism and weekly markets 1.2 Changes in tribal economy 1.3 Traditional political organisatin and present day tribal political organization. **Activity** – Make a research paper on Haat Bazaar.
इकाई–4	1. मध्यप्रदेश की जनजातियों की अस्मिता, पहचान एवं चुनौतियां – 1.1 गोंड, भील 1.2 भारिया, सहरिया 1.3 कोरकू, बैगा **गतिविधि– जनजाति समाज पर संगोष्ठी का आयोजन करना।**
	1. Identity, Recognition and challenges of Tribes in M.P. – 1.1 Gonds, Bhils 1.2 Bharia, Sahariya 1.3 Korku, Baiga **Activity** – Organise a seminar on tribal society.
इकाई–5	1. जनजातीय विकास योजनायें – 1.1 जनजातीय विकास हेतु संवैधानिक प्रावधान 1.2 शासन द्वारा संचालित कल्याण कार्यक्रम, योजनाएं एवं उनका मूल्यांकन 1.3 मध्यप्रदेश सरकार के जनजातीय कल्याण कार्यक्रम एवं मूल्यांकन **गतिविधि– जनजाति कल्याण कार्यकर्मों की सूची बनाकर, महाविद्यालय के विद्यार्थियों के साथ परिचर्चा करें।**
	1. Tribal Development Plans – 1.1 Constitutional provision for tribal development 1.2 Welfare schemes and their evaluatin implemented by the government. 1.3 Welfare programs for tribes by the M.P. Government. **Activity** – Prepare a list of tribal welfare programmers and discuss them with college students.

Contd-----3

संदर्भ ग्रंथ –

1. राम आहूजा – भारतीय समाज
2. डॉ.रविन्द्रनाथ मुखर्जी – जनजातीय समाज का समाजशास्त्र
3. एसएल. दोषी, राव पीपी. जैन, जनजातीय समाजशास्त्र रावत पब्लिकेशन
4. डॉ.शिवकुमार तिवारी, मध्यप्रदेश की जनजातीय कृति मध्यप्रदेश ग्रंथ
5. Bimal Chauran Tribes in Ancient India
6. L.Pl Vidyarthi, Binay Kumar raj – Concept Publication Co. New Delhi.
7. Nadeem Hashain – Tribal India today, Hariom publication, New Delhi.

कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित

कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर

(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध

स्थापना वर्ष:1963

E-mail:kri.extension@gmail.com, Website:http.www.kgri.org, Ph. Fx-0731-2874065

// शैक्षणिक सत्र: 2025–26 //

कक्षा : एम. ए.
Class - M. A.
विषय – समाजशास्त्र
Subject – Sociology
सेमेस्टर – द्वितीय
Sem. – IInd

1. **पाठ्यकम का कोड – CC-23**
   Course Code – CC-23
2. **पाठ्यकम का शीर्षक – परिवर्तन का समाजशास्त्र**
   Course Title – Sociology of Change
3. **पाठ्यकम का प्रकार – कौर कोर्स**
   Course Type – Core Course
4. **पाठ्यकम अध्ययन की उपलब्धियां :– CLO-**
   1. यह पेपर भारत में बदलती प्रकियाओं के बारे में व्यापक ज्ञान प्रदान करता है।
   2. सामाजिक परिवर्तन की विशेषताएं
   3. सामाजिक परिवर्तन के विभिन्न सिद्धांत
   4. बदलते समाज में विभिन्न वैज्ञानिक दृष्टिकोण
   5. सामाजिक परिवर्तन का प्रभाव
5. **केडिट मान – सैद्धांतिक – 04 Credit Value - 04**
6. **कुल अंक – 40+60=100 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 40**
   Total Marks - 40+60=100 Minum Passing Marks - 40
7. **व्याख्यान की कुल अवधि– 75 घंटे**

इकाई	विषय
इकाई–1	परिवर्तन पर शास्त्रीय भारतीय दृष्टिकोण भारतीय संस्कृति की अनुकूलनशीलता सामाजिक परिवर्तन का अर्थ, संकल्पना एवं विशेषताएं सामाजिक परिवर्तन के प्रतिरूप सामाजिक गतिशीलता, कांति, सामाजिक आंदोलन एवं फैशन **गतिविधि– कांति, सामाजिक आंदोलन,फैशन।**
	Classical Indian view about change, Adaptability is a unique feature of Indian culture, Meaning, concept and characteristics of social change, pattern of social change, concept of social mobility, Revolutin Social movement and Fashion. **Activity**– Have a group discussion on change and Indian perspective.
इकाई–2	सामाजिक परिवर्तन के सिद्धांत – – विकासात्मक सिद्धांतः एल.एच. मॉर्गन, हर्बर्ट स्पेन्सर – द्वंद्वात्मक सिद्धांत : कार्ल मार्क्स, राल्फ डाहरेडार्फ – चकीय सिद्धांतः वी.पेरेटो, ओ.स्पेंग्लर, पी.ए. सोरोकिन, ए.जे. टॉयनबी – कियात्मक सिद्धांत : एल.ए. कोजर **गतिविधि– सामाजिक परिवर्तन सिद्धांत पर संगोष्ठी**
	Theories of Social change – Evolutionary Theory. H.H. Morgan, Herbert Spencer Dialectical theory, Karl Marx and Ralf Dahherndrf, chclical, V. Pareto, O.Spengler, P.A. Sorokin, A.J. Toynbee and Functinal Theory, L.A. Coser. **Activity** – Arrange a seminar on social change theory.

Contd-----2

इकाई–3	सामाजिक प्रकियाओं का अर्थ एवं विशेषताएं सहयोग, समायोजन, आत्मीकरण, प्रतिस्पर्धा, संघर्ष अनुरूपता एवं विचलन (Conformity and Deviance) **गतिविधि– परिवर्तन की विविध प्रकियाओं पर सामूहिक चर्चा**
	Meaning and Characteristics of social process: Cooperation, Accomodation, Assimilation, Competitions, Conflict. Conformity and Deviance. **Activity**– Have a group discussin on various processes of change.
इकाई–4	भारत में सामाजिक परिवर्तन की प्रकिया – आधुनिकीकरण, पश्चिमीकरण, संस्कृतिकरण, लघु एवं वृहत परंपरा सामान्यीकरण एवं प्रांतीयकरण **गतिविधि–** आधुनिकीकरण, **पश्चिमीकरण**, संस्कृतिकरण, लघु एवं वृह परंपरा।
	Process of Social change in India Modernisatin, Westernisastin, Sanskritisation, Little and Great Tradition and Universationation and Parochialisation. **Activity**– Survey your area on Modernisation and Sanskritisation.
इकाई–5	भारत में सामाजिक परिवव्रन के कारक – आविष्कार, आंतरिक एवं बाह्य कारक, सोशल मीडिया, औद्योगीकरण, शहरीकरण, भारतीय सामाजिक आंदोलन **गतिविधि– सोशल मीडिया के साधनों पर प्रतिवेदन बनाना।**
	Factors of Social change in India – Inventions, Internal and external factors Social media, Industrialisatin. Urbanizatin Indian Social Movements. **Activity**– Prepare reports on social media tools.
	संदर्भ ग्रंथ – 1- Dube S.C., Modernisation and Development: The search for Alternative paradigm, New Dell 2- Goven, M.P. Doctrines of Development, Lindon Routiedge. 3- Kiely, R. and Phill marfleet, Globalisatin and the Third world, London, Routledge. 4- Kothari, Rajni, Rethinking Development : In Search of Humane Alternatives, Delhi, Ajanta 5- Sen, Amrtya, Development as Freedom. New Delhi. Oxford University Press. 6- Srinivas, M.N. Social change in modern India, BerkeleyL: University of California press. 7- United Nations Development programme. Human Development Report , New York. 8- Lkedftd ifjorZu&Lo:I, oafi)kar&it-ih-flag

----

कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित
कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर
(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध
स्थापना वर्ष:1963
E-mail:kri.extension@gmail.com, Website:http.www.kgri.org, Ph. Fx-0731-2874065
// शैक्षणिक सत्रः 2025–26 //

कक्षा : एम. ए.

Class - M. A.

विषय – समाजशास्त्र

Subject – Sociology

सेमेस्टर – द्वितीय

Sem. – IInd

1. पाठ्यक्रम का कोड – CC-24
   Course Code – CC-24
2. पाठ्यक्रम का शीर्षक – विकास का समाजशास्त्र
   Course Title – Sociology of Development
3. पाठ्यक्रम का प्रकार – कौर कोर्स
   Course Type – Core Course
4. पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियां :– CLO-
   1. यह पाठ्यकम भारतीय शास्त्रीय ग्रंथों मं वर्णित मानवतावादी मल्यों की महान परंपरा से अवगत कराता है।
   2. विद्यार्थी विकास की संकल्पना को समझ सकेंगे।
   3. यह पाठ्यकम विकास केक विभिन्न सिद्धांतों को समझने में सहायक हैं
   4. विद्यार्थी विकास के विभिन्न मॉडल व मार्ग तथा उनकी भारतीय संदर्भ में प्रासंगिकता को समझ सकेंगे।
   5. यह पाठ्यकम विद्यार्थियों को विकास की प्रकिया एवं उसके प्रभावों को समझने मं सक्षम बनाता ह।
5. केडिट मान – सैद्धांतिक – 04 Credit Value - 04
6. कुल अंक – 40+60=100 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 40
   Total Marks - 40+60=100 Minum Passing Marks - 40
7. व्याख्यान की कुल अवधि– 75 घंटे

इकाई	विषय
इकाई–1	मानवता की संकल्पना, कौटिल्य एवं अन्य भारतीय शास्त्रीय ग्रंथों में वर्णित जनकल्याण हेतु राज्य के कर्तव्य। **गतिविधि– कौटिल्य बनाम आधुनिक राज्य, विषय पर परिचर्चा आयोजित करना।**
	Concept of Humanity, Duties of states for the development of their public, as described by kauitlya and in other Indian Classical Text. **Activity–** Orgenise a discussion on the topic Kautilya versus Modern State.
इकाई–2	विकास का अर्थ, संकल्पना एवं परिभाषा, विकास के समाजशास्त्र का क्षेत्र, विकास, प्रगति, योजना निर्माण एंव सतत विकास की अवधारणाएं, मानव विकास एवं सामाजिक विकास के संकेतक। **गतिविधि– मानव विकास संकेतकों, पर राज्य या जिले स्तर का तुलनात्मक चार्ट तैयार करना।**
	Meaning, Concept and Definition of Development, Scope of Sociology of Development, Concept of Evolution, Progress. Planning, and sustainable Development, Indicators of Human Development and Social Development. **Activity–** Prepare State or district level comparative chart on Human Development indicators.

Contd-----2

इकाई–3	विकास के सिद्धांत – गांधीवादी दृष्टिकोण, रॉस्टो का विकास के चरणों का सिद्धांत। – मैक्लेलेंड का सामाजिक, सामाजिक दृष्टिकोण, डब्ल्यू ए. लुईस, ई. हेगग एवं मूर, फैल्डमेन, लर्नर तथा पीटर हाइंज का प्रसार दृष्टिकोण। **गतिविधि– विकास के प्रमुख सिद्धांतों यपर पोस्टर – गांधी, रोस्टो, लुईस आदि की प्रस्तुति करना।**
	Theories of Development – Gandhian Approach, Rostow on Stages of Ddevelopment, Socio- psychological View of McClelland, W.A. lewis, E. Hagen and Diffusion Approach of Moor, Feldman, learner and Peter Heinz. **Activity**– Make poster presentation of Major Theories of Development (Gandhi, Rostow, Lweis etc.)
इकाई–4	विकास के दृष्टिकोण एवं समस्याएं – पूंजीवादी, समाजवादी, मिश्रित दृष्टिकोण, पब्लिक–प्रायवेट, पार्टनरशिप मॉडल भारत में सरकारी योजना, नीति आयोग गैर सरकारी संगठनों (NGO) की अवधारणा, भारत में (NGO) का इतिहास एवं विकास में उनकी भूमिका। **गतिविधि– भारत में (NGO) या नीति आयोग की भूमिका पर केस स्टडी लेखन।**
	Approaches and Agencies of Development – Capitalist approach, Socialist Approach, Mixed Approach, Public private partnership model, Government and Development – planning in India, Neeti Ayog, NGO and Development – concept of NGO, History of NGO in India, Role of NGO in devellpment. **Activity**– Case study writing on Role of NGO or NITI Aayog in India.
इकाई–5	विकास से जुडी समस्याएं एवं चुनोतियॉ – – पर्यावरण संरक्षण, क्षेत्री असमानता, भूमंडलीकरण, पुनर्वास एवं विस्थापन **गतिविधि– विकास और पर्यावरणीय संकट, विषय पर नुक्कड नाटक या लघु संवाद मंचन।**
	Issues and Challenges of Development – Environment Protection, Regional Imbalance, Globalisation, rehabilitation and Displacement. **Activity**– Street play or short dialogue on the theme Development and Environmental Crisis.

संदर्भ ग्रंथ –

1. Dube S.C., Modernisation and Development: The search for Alternative paradigm, New Delhi
2. Goven, M.P. Doctrines of Development, Lindon Routiedge.
3. Kiely, R. and Phill marfleet, Globalisatin and the Third world, London, Routledge.
4. Kothari, Rajni, Rethinking Development : In Search of Humane Alternatives, Delhi, Ajanta
5. Sen, Amrtya, Development as Freedom. New Delhi. Oxford University Press.
6. Srinivas, M.N. Social change in modern India, BerkeleyL: University of California press.
7. United Nations Development programme. Human Development Report , New York.
8. सामाजिक परिवर्तन स्वरूप एवं सिद्धांत जे.पी. सिंह।

कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित
कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर
(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध)
म.उंपसरूातपण्मगजमदेपवद / हउंपसण्बवउए ̄मइेपजमरूीजजचरू्णहतपण्वतहए धैि थ्ण.0731.2874065
शैक्षणिक सत्रः 2025–26
स्थापना वर्ष:1963

कक्षा : एम. ए.

Class - M. A.

विषय – ग्रामीण विकास एवं प्रसार / समाजशास्त्र

Subject – Rural Development & Extension/Sociology

सेमेस्टर – द्वितीय

Sem. – IIrd

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अध्यादेश कमांक 14-2 के अनुसार

1. **पाठ्यकम का कोड – 110/CC35**
   Course Code – 110/CC35
2. **पाठ्यकम का शीर्षक – अपराध और विचलन का समाजशास्त्र**
   Course Title – Sociology of Crime & Deviance
3. **पाठ्यकम का प्रकार – मूल्य संवर्धक पाठ्यकम (वैकल्पिक)**
   Course Type – Value Added Course
4. **पाठ्यकम अध्ययन की उपलब्धियां :– CLO-**
   1. यह अपराध और विचलन की व्यापक समझ विकसित करेगा, जिसमें उनकी परिभाषाएं, कारण और सामाजिक प्रभाव शामिल है।
   2. एनोमी विभेदक सहचर्य, लेबलिंग और शक्ति सिद्धांत जैसी विभिन्न समाजशास्त्रीय सिद्धांतों का विश्लेषण करना जो विचलित व्यवहार की व्याख्या करते हैं।
   3. संगठित अपराध, व्यावसायिक अपराध, पेशेवर अपराध और साइबर अपराध सहित विभिन्न प्रकार केक अपराध और विचलन की पहचान करना और उनमें अंतर करना सीखेंगे।
   4. आपराधिक न्याय और सुधारात्मक प्रणालियों की संरचना और कार्यों का मूल्यांकन करना, जिसमें दंड, प्रोवेशन, पैराल और जल सुधार शामिल हैं।
   5. वैश्वीकरण, प्रौद्योगिकी और मानवाधिकारों केक मुद्दों का अपराध और विचलन पर आधुनिक दुनिया में प्रभाव का आकलन करना।
5. **केडिट मान – सैद्धांतिक – 02 Credit Value - 02**
6. **कुल अंक – 40+60=100 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 40**
   Total Marks - 40+60=100 Minum Passing Marks - 40
7. **व्याख्यान की कुल अवधि– 60 घंटे**

इकाई	विषय	व्या.घंटे
इकाई–1	– **अपराध और विचलन की समझ : –** 1. अपराध – अर्थ, क्षेत्र और विषय वस्तु। 2. अपराध की संकल्पनात्मक दृष्टिकोण – कानूनी और समाजशास्त्रीय। 3. विचलन – अर्थ, क्षेत्र और विषय वस्तु। **गतिविधि** – कक्षा में शहर के सिद्ध वकील को आमंत्रित कर चर्चा करना।	
इकाई–2	– **सामाजिक विचलन के सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य : –** 1. सामाजिक विचलन के सैद्धांतिक दृष्टिकोण 2. एनॉमी सिद्धांत 3. विभेदक सायचर्य सिद्धांत 4. लेबलिंग सिद्धांत 5. शक्ति सिद्धांत **गतिविधि** – अपराध और विचलन पर संगोष्ठी का आयोजन करना। 2	

Contd–2

इकाई–3	**– अपराध और विचलन के रूप : –** 1. विचलन के रूप : मद्यपान, मादक पदार्थों की लत, मानसिक विकार, समलैंगिकता, भिक्षावृत्ति। 2. संगठित अपराध : अवधारणा, विशेषताएं, और संरचना। 3. व्यावसायिक अपराधः अवधारणा, तत्व, प्रकार और प्रभाव। 4. पेशेवर अपराध : विशेषताएं, प्रकार 5. साइबर अपराध : अवधारणा और प्रकार गतिविधि – अपराध के नए आयाम पर कार्यशाला का आयोजन करना।
इकाई–4	**आपराधिक न्याय और सुधारात्मक प्रणाली : –** 1. दंड : अर्थ, प्रकृति और उद्देश्य 2. दंड के सिद्धांत 3. प्रोबेशन और पैरोल 4. जेल : अर्थ, प्रकृति और उद्देश्य 5. अपराध निवारण में पुलिस की भूमिका 6. खुली जेल, पश्च देखभाल और पीडितों को मुआवजा गतिविधि – अपने नगर क पुलिस विभाग से सम्पर्क कर अपराध और दंड पर चर्चा करवाना।
इकाई–5	**अपराध और विचलन के समकालीन मुद्दे : –** 1. वैश्वीकरण और अंतराष्टीय अपराध 2. मानवाधिकार और अपराध 3. प्रौद्योगिकी और अपराध – चुनोतियॉ और समाधान 4. जेल और दंडः सुधार और विकल्प 5. डिजिटल युग में सामाजिक परिवर्तन और विचलन 6. अपराधिक विज्ञान के भविष्य के आयाम गतिविधि – अपराध और विचलन के विविध आयामों पर शोध लेखन।
	संदर्भ पुस्तकें एवं पत्रिकाएं – 1- Dr. D.K., Biswas, Criminology and Penology 2- Dr. S.S. Shrivastava, Criminology, Penology and Victimology 3- डॉ. जे.के. अग्रवाल, अपराधशास्त्र 4- बसानी लाल साकेत, अपराधास्त्र एवं दण्डशास्त्र 5- डॉ. जी.एल. र्ध्मा, आधुनिक अपराधशास्त्र 6- राम आहूजा, अपराधशास्त्र

कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित

कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर

(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध)

ɛ.उंपसरूातपण्मगजमदेपवद / हउंपसणबवउए "मईपजगरूीजजचण्णहतपण्वतहए धीण थ्ण.0731.2874065

शैक्षणिक सत्रः 2025–26

स्थापना वर्ष:1963

कक्षा : एम. ए.

Class - M. A.

विषय – ग्रामीण विकास एवं प्रसार / समाजशास्त्र

Subject – Rural Development & Extension/Sociology

सेमेस्टर – द्वितीय

Sem. – IIrd

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अध्यादेश कमांक 14-2 के अनुसार

1. **पाठ्यक्रम का कोड – 110/CC36**
   Course Code – 110/CC36
2. **पाठ्यक्रम का शीर्षक – सामाजिक स्तरीकरण**
   Course Title – Social Stateification
3. **पाठ्यक्रम का प्रकार – मूल्य संवर्धक पाठ्यक्रम (वैकल्पिक)**
   Course Type – Value Added Course
4. **पाठ्यकम अध्ययन की उपलब्धियां :– CLO-**
   1. विद्यार्थी सामाजिक स्तरीकरण का अर्थ, प्रकृति और आयामों को समझ सकेंगी जिसमें पदानुक्रम, शक्ति और सामाजिक असमानता शामिल है।
   2. विद्यार्थी संरचनात्मक कार्यात्मक, मार्क्सवादी और वेबरवादी दृष्टिकोणों का गहन अध्ययन कर सामाजिक स्तरीकरण के सिद्धांतों को आलोचनात्मक दृष्टि से परख सकेंगे।
   3. विद्यार्थी भारत में जाति व्यवस्था की उत्पत्ति, विकास और समकालीन चुनौतियों का ऐतिहासिक और आधुनिक संदर्भ में विश्लेषण कर सकेंगे।
   4. विद्यार्थी सामाजिक स्तरीकरण में लैंगिक असमानताओं, पितृसत्ता और नारीवादी दृष्टिकोणों की भूमिका को समझ पाएंगी।
5. **केडिट मान – सैद्धांतिक – 02 Credit Value - 02**
6. **कुल अंक – 40+60=100 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 40**
   Total Marks - 40+60=100 Minum Passing Marks - 40
7. **व्याख्यान की कुल अवधि– 60 घंटे**

इकाई	विषय	व्याख्यान घण्टे
इकाई–1	– **सामाजिक स्तरीकरण का परिचय : –** 1. सामाजिक स्तरीकरण का अर्थ, प्रकृति और विशेषताएं। 2. सामाजिक स्तरीकरण के आयामः हस्तांतरण और भिन्नता, सामाजिक भेद, सामाजिक समानता और असमानता। 3. शक्ति और वर्चस्वः बहिष्करणः वंचन, भेदभाव। गतिविधि – सामाजिक स्तरीकरण पर कक्षा में समूह चर्चा।	
इकाई–2	– **सामाजिक स्तरीकरण के सैद्धांतिक दृष्टिकोण : –** 1. संरचनात्मक कार्यात्मकतावादी दृष्टिकोण 2. मार्क्सवादी दृष्टिकोण 3. वेबरवादी दृष्टिकोण 4. सामाजिक स्तरीकरण पर वाद–विवाद [illegible]	

इकाई–3	**भारत में जाति व्यवस्था : –** 1. जाति व्यवस्था का उद्भव और विकास 2. वर्ण और जाति : अवधारणाएं और भेद 3. उपनिवेशवाद और आधुनिकीकरण का जाति व्यवस्था पर प्रभाव 4. समकालीन भारत में जाति व्यवस्था के परिवर्तित स्वरूप और चुनौतियां **गतिविधि** – अपने नगर में जाति में परिवर्तन पर सर्वेक्षण कराए।
इकाई–4	**लैंगिकता और सामाजिक स्तरीकरण : –** 1. लैंगिकता एक सामाजिक निर्माण के रूप में 2. पितृसत्ता और इसके प्रभाव 3. लैंगिक असमानता पर नारीवादी दृष्टिकोण 4. शिक्षा, रोजगार और राजनीति में लैंगिक असमानता **गतिविधि** – लैंगिक समानता पर पोस्टर, स्लोगन बनाएं।
इकाई–5	**स्मकालीन मुद्दे और चुनौतियां : –** 1. अंतःविषयता और बहुस्तरीय सामाजिक स्तरीकरण 2. डिजिटल युग में जाति और वर्ग 3. आरक्षण नीतियां और सकारात्मक कार्यवाई 4. सामाजिक आंदोलन और समानता की खोज **गतिविधि** – स्तरीकरण पर वाद–विवाद प्रतियोगिता आयोजित करना।
	संदर्भ पुस्तकें एवं पत्रिकाएं – 1- Maclver, Robert M &Charles Hunt Page, Society- An Introductory Analysis, New D 2- Beteile Andre Caste Class & Power, California, University, Berkeley. 3- Ghurye GS Caste, Class & Occupation, Popular book dept. Bombay. 4- Oqburn & Nimkoff Hand Book of Sociology, K.Paul, Trench, Prebner.